

- पाण्डुपत्रोदरेण; 146.8-12.: मम ... मन्दारमाला हरि-  
णा पिन्दाः  
c. अत्र induere, tegere. MAN. 6.76.: चर्मावनद्धम् (Schol.  
चर्माङ्कदितम्).  
c. उत् *id.* RAGH. 17.23.: मुक्तागुणोन्नद्धम् मौलिम्. *Cum*  
*ablat.* se exuere, liberare *aliquâ re.* सलिलाद् उन्नद्धम्  
ex aquâ se emergere. MAH. 3.10116.: ततः प्रसन्ना पृथि-  
वी ... पुनर उन्नद्ध सलिलात्.  
c. सम् induere, *cum loc. pers.* SAK. 11.15.: कुसुमम् इव  
लोभनीयं यौवनम् अङ्गेषु सन्नद्धम्. *Sibi induere.* DR.  
6.19.: सन्नद्धं सर्व एवेन्द्रकल्या महान्ति चात्रुणि-  
च दंशनानि (sic cum ed. Calc. legendum pro दंशिता-  
नि); M. 3.14958.: समनह्यन्त कवचानि. *Cum instr.* se  
induere. BHATT. 17.4.: समनह्यंश्च वर्मभिः. *Armare.*  
BHATT. 15.11.: समनात्सीत् सैन्यम्. *Absol.* MAH. 2.  
894.: समनह्यं जरासन्धः क्षात्रन् धर्मम् अनुस्मरन्.  
सन्नद्ध loricatus, armatus. MEGH. 3.: त्वयि सन्नद्धे  
(Schol. सञ्जीभूते उदिते वा उपस्थिते वा).  
c. सम् praef. अभि *id.* अभिसन्नद्ध armatus, MAH. 3.14883.

नङ्ग *m. nom. propr. regis.*

नाक *m. coelum.* RAGH. 1.5.15.96.

नाग *m. (a नग mons s. अ) 1) serpens (Wils.: A serpent  
in general, or especially the Spectacle snake, or Cobra  
Capella (Coluber Naga).) SU. 2.8. BH. 10.29. 2) ele-  
phantus. N. 13.10.*

नागरिक *m. (a नगर s. इक) oppidanus, civis. UR. 82.11.*

नाट्य *n. (a नट s. य) repraesentatio, actio scenica. UR. 4.17.*

नाडी *f. 1) caulis. 2) fistula. 3) vena. 4) intestinum.*

नाथ *1. P. 1) rogare, petere. NAIS. 3.25.: नाथन्ति को  
नाम न लोकनाथम् (Schol. याचन्ते). 2) ATM. ap-  
petere, optare, c. gen. rei. PAN. II. 3.55.: मधुनो नाथते;  
BHATT. 8.120.: धृत्या नाथस्व. 3) aegrotum esse. YA-  
GUR-V. (v. Westerg.): अचतान् (अचतात्) मा नाथ-  
तात्. 4) dominari, imperare; v. नाथ. (Cf. नाध. Huc  
vel ad नाध traxerim germ. vet. *nôti* «necessitas, tribula-  
tio, angor»; anglosax. *nead, neod*; goth. *nauthjan* cogere,  
*naudi-band* necessitatis vinculum.)*

नाथ *m. (r. नाथ s. अ nisi anom. a r. नी s. थ, v. नीथ)  
dominus, tutor.*

नाथवत् (a praec. s. वत्) domino, tutore praeditus. DR.  
6.15.

नाद *m. (r. नद् sonum edere, s. अ) strepitus. N. 21.5.  
SU. 1.33.*

नाध *1. P. A. i. q. नाथ. RIGV. 118.10.: नाधमाना: «opes  
desiderantes»; 110.5.: उपमन् नाधमाना: «suffi-  
cientem sibi cibum optantes»; 109.3.: इति नाधमाना:  
«sic precantes». (P. नाथ.)*

नाना *Indecl. (ut videtur, reduplicatio stirpis demonstr. न,  
quae invenitur in fine pron. comp. अन, एन, producto  
अ) multus, varius. H. 1.19. BH. 11.5.*

नान्दी *f. (r. नन्द s. ई) benedictio, a qua incipit prologus  
dramatum. UR. 1.*

नापय *v. नी.*

नापित *m. tonsor. HIT. 63.6.*

नाभि *f. 1) modiolus rotae. 2) umbilicus. MEGH. 29.; 80.  
3) moschus. (Germ. vet. *naba f. modiolus rotae, nabalo  
m. umbilicus; gr. ὀμφαλός litteris transpositis e νοφαλος,  
mutato v in μ propter sequentem labialem, nisi ex ο-να-  
φαλος, ejecto α, praefixo ο, sicut in ὄνυξ, ὀφρύς, ὀδούς,  
ὄνομα; ita lat. umbilicus e nubilicus vel u-nabilicus, sicut  
unguis ex u-naguis, v. नाख.)**

नाम (*accus. तौ नामन्*) 1) *Adv. nomine. H. 2.1. SU. 1.  
2. N. 1.1.18.5. DR. 7.9.12. 2) particula interrog. N.  
11.4.; 12.19.: ननु नाम; SAK. 51.2. infr. et HIT. 75.2.:  
को नाम; N. 24.10.*

नामतस् *Adv. (a नामन् s. तस्) nomine. N. 18.5.*

नामधेय *m. (e नामन् nomen et धेय, a धा ponere, s. य,  
ponendus) nomen. HIT. 4.5.*

नामन् *n. (ut videtur, a r. ज्ञा s. मन्, abjectâ radicis litterâ  
initiali, sicut in lat. nosco e gnosco, gr. νοέω e γνοέω, v.  
ज्ञा) nomen. SU. 3.18. (Lat. nomen; goth. *NAMAN*,  
nom. *namô*, gen. *namin-s*, attenuato a in i, v. gr. comp.  
140.; gr. O-NOMAT, praefixo ο, mutato n in tenuem  
ejusdem organi, sicut in universum gr. suff. *ματ* re-*